काव्यांजलि 2586

दिनांक 01 अगस्त 2025

दिन शुक्रवार

पाठ- 03

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय- इतिहास

(हमारा इतिहास और नागरिक जीवन)

अंग्रेज-बर्मा द्वितीय युद्ध

बर्मा की सरकार के नियमों,
का उल्लंघन कर डाला।
अंग्रेज व्यापारियों ने किए कृत्य,
कि थी भड़की ज्वाला।।

डलहौजी और बर्मा मध्य था,
शुरू हुआ फिर दूसरा युद्ध।
अठारह सौ बावन ईसवी,
का था समय महत्वपूर्ण।।

बर्मा हुआ पराजित फिर से,
अंग्रेजों की जीत हुई।
मर्तवान और रंगून,
अंग्रेजों के अधीन हुई।।

दक्षिणी भाग समूचा बर्मा,
आया अंग्रेजों के हाथ।
शक्ति, क्षेत्र अंग्रेजों की बढ़,
कर रही थी अन्तर्नाद।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2587
दिनांक 02 अगस्त 2025
दिन शनिवार
पाठ- 18
भाग- 01

कक्षा -05 विषय- नागरिक शास्त्र (प्रकृति)

न्याय पालिका

हमारा प्यारा भारत देश,
लोकतान्त्रिक देश कहलाता है।
कानून की रक्षा हेतु यहाँ,
न्यायालय को बनाया जाता है।।

देश का सबसे बड़ा न्यायालय,
सर्वोच्च न्यायालय कहलाता है।
यह सर्वोच्च न्यायालय सभी को,
समान न्याय प्रदान करता है।।

सर्वोच्च न्यायालय में एक मुख्य,
तथा अन्य न्यायाधीश होते हैं।
सभी न्यायाधीश राष्ट्रपति जी के,
द्वारा मनोनीत होते हैं।।

देश के सभी न्यायालय स्वतन्त्र,
निष्पक्ष रूप से कार्य करते है।
तभी ये हमारे देश के नियमों,
और कानूनों की रक्षा करते हैं।।

रचना:-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
CamScanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
काव्यांजलि
2588
दिनांक 04.08.2025
दिन सोमवार
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 01, हिन्दी, पाठ- 01

मीना का परिवार

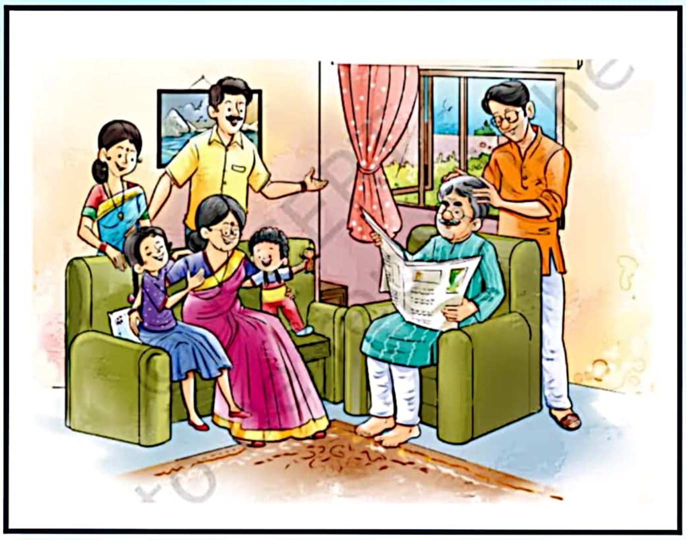

मीना के घर लोग सात,
मिलकर रहते थे साथ।
दिवाकर छोटा भाई है,
उसकी बात थी खास।।

माता-पिता, दादा-दादी,
चाचा थे मीना के साथी।
भाई भागकर छिप जाता,
मीना को बड़ा आता मज़ा।

मीना भाई को गिनती सिखाती,
चाचा को सबसे प्यारा बताती।
चाचा दिवाकर को गोद उठाते,
मीना, दिवाकर खूब मुस्काते।।

रखते एक-दूसरे का ध्यान,
कठिन न लगता कोई काम।
जो लोग मिलजुल कर रहते,
उसको सुखी परिवार कहते।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

CamScanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
काव्यांजलि
2589
दिनांक 05 अगस्त 2025
दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8

भारत संसाधन एवं विकास (भूगोल)

पाठ- 1 संसाधन (भाग- 2)

जनसंख्या और योग्यता,
भी है मानव संसाधन।
मनुष्य भी विशिष्ट प्रकार का,
है एक मानव संसाधन।।

जल, वन, सूर्य का प्रकाश,
ये सब हैं प्राकृतिक संसाधन।
खनीज पदार्थ और मिट्टी,
ये भी हैं प्राकृतिक संसाधन।।

घर, सड़क, पुल, विद्यालय,
हैं मानव निर्मित संसाधन।
अस्पताल, मशीन, बाँध, कारखाना,
ये हैं मानव निर्मित संसाधन।।

ज्ञान-कौशल के बल पर,
मानव भी है एक संसाधन।
स्वास्थ्य-शिक्षा को सुधारकर,
मानव भी है बहुमूल्य संसाधन।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 6 अगस्त 2025

काव्यांजलि

2590

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- इतिहास, पाठ- 9,

जुल्म का क्रन्दन

अप्रैल 13 सन् 19 को,
जुल्म का ऐसा उठा धुआँ।
क्रन्दन और उत्पीड़न से,
माँ का आँचल लाल हुआ।।

आशाओं से भरे हृदय पर,
डायर ने आघात किया।
बूढ़े, बच्चों, महिलाओं की,
बगिया को बरबाद किया।।

नरसंहारी दानव था वो,
मानवता का हत्यारा।
खून की नदियाँ बहाकर उसने,
बाग की बलिवेदी को रंग डाला।।

वक्त के निष्ठुर हाथों से घायल,
मानवता अब भी रोती है।
माँ बहनों के हृदय की ज्वाला,
अब भी रूह भिगोती है।।

रचना:-
डॉ० शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मुर्धवा (1-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2591
दिनांक 07 अगस्त 2025
दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान, पाठ- 3, भाग-1

पदार्थों का पृथक्करण — समांगी और विषमांगी मिश्रण

दो या दो से अधिक अवयव,
उपस्थित हों जिस मिश्रण में।
देख सकें न जिन्हें अलग हम,
समांगी मिश्रण की श्रेणी में।।

जैसे पानी में चीनी हो,
या पानी में नमक के कण।
घोल हो कॉपर सल्फेट का,
या तेल-पैट्रोल का मिश्रण।।

अवयव अलग-अलग देखें हम,
ठोस के हों या द्रव के मिश्रण।
घटक समान नहीं वितरित हों,
कहलाते विषमांगी मिश्रण।।

जैसे जल में तेल मिले हों,
बालू और लोहे की छीलन।
पानी में जैसे रेत मिले हों,
मट्ठे में जैसे हो मक्खन।।

रचना:-

नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय समोखर,
निधौली कलां, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
काव्यांजलि
2592
दिनांक 08 अगस्त 2025
दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- प्राथमिक स्तर, विषय- सामान्य ज्ञान

भारत के 28 राज्य

तर्ज़- नो एंट्री...

यू० पी०, गुजरात है,
केरल, महाराष्ट्र है।
नागालैंड, पंजाब,
तेलंगाना।।

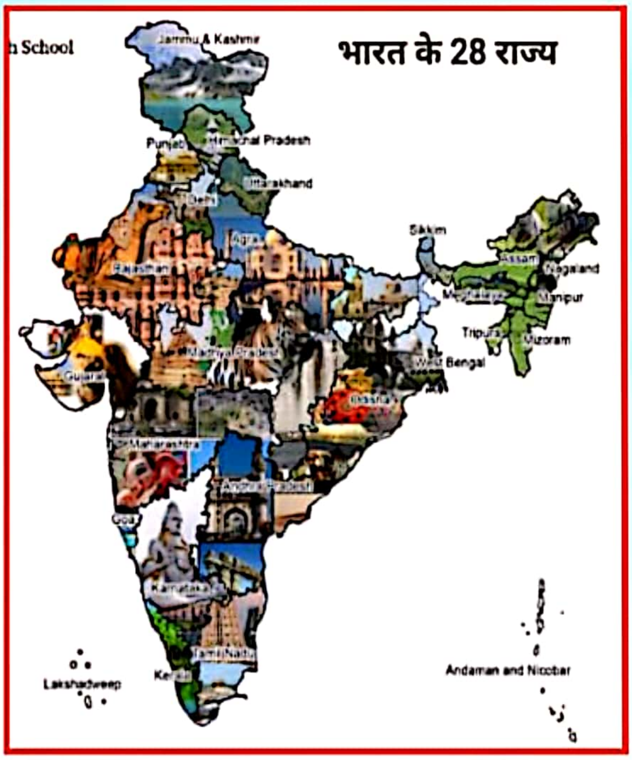

पश्चिम बंगाल है,
कर्नाटक, तमिलनाडु है।
असम, बिहार, गोवा,
हरियाणा।।

AP, अरुणाचल है,
छत्तीसगढ़, हिमाचल है।
मणिपुर, त्रिपुरा,
मिजोरम।।

MP, झारखण्ड है,
उडीसा, उत्तराखंड है।
राजस्थान, मेघालय,
सिक्किम।।

रचना:-
राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
UPS चित्रवार, क्षेत्र- मऊ
जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2593
दिनांक 09 अगस्त 2025
दिन शनिवार
आपका दिन शुभ हो।
पाठ- 18
भाग- 02

कक्षा -05 विषय- नागरिक शास्त्र (प्रकृति)

न्यायालय

देश के प्रत्येक राज्य में,
एक उच्च न्यायालय होता है।
जिसके न्यायाधीशों का चुनाव,
राष्ट्रपति द्वारा होता है।।

हमारे प्रदेश का उच्च न्यायालय,
प्रयागराज में स्थित है।
इस उच्च न्यायालय की एक,
खण्डपीठ लखनऊ में स्थित है।।

प्रत्येक जिला स्तर पर भी एक,
न्यायालय बनाया जाता है।
जिले पर स्थित न्यायालय को,
जिला न्यायालय कहा जाता है।।

आपसी विवादों को निपटने के,
लिए लोक अदालतें होती हैं।
ये लोक अदालतें न्याय की दृष्टि से,
अत्यन्त महत्वपूर्ण होती है।।

रचना:-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 11/08/2025

काव्यांजलि 2594

दिन Monday

आपका दिन शुभ हो।

Class 2 Unit 1, Chapter 2

Out! Out!

At home on a holiday,
Jeet & Babli decided to play;
Skiping rope, hide and seek;
Game of cricket, decided Jeet.

Thrown by Jeet, Babli hit ball,
Into garden, went the ball
Mohit's house locked,
So the game stopped.

Rags, paper, wool got,
A string Babli brought;
Rolled them and tide,
A new ball got find.

Rags and papers gets fall,
When Jeets hit opened ball;
Getting rag Babli shout,
Jeet now you are....Out!

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Written by:
Supriya Singh (A.T.)
C. S. Baniyamau
Machhrehta, Sitapur

CamScanner

शिक्षा का उत्थान | मिशन शिक्षण संवाद | शिक्षक का सम्मान।

काव्यांजलि

2595

दिनांक 12 अगस्त 2025 | दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- इतिहास, पाठ- 1

इतिहास कैसे पता लगाते

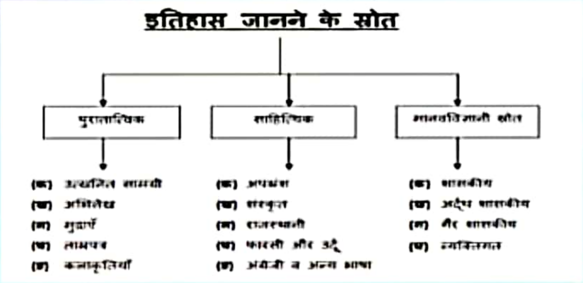

बीते हुये समय की जानकारी,
उस समय के लोगों को जानना।
अतीत से प्राप्त साक्ष्यों से समझकर,
अपने इतिहास को समझना।।

जिन लिखित साक्ष्य को पढ़ नहीं सकते,
'आद्य ऐतिहासिक काल' कहा।
हैं लिखित साक्ष्य और पढ़ भी सकते,
उसे 'ऐतिहासिक काल' कहा।।

लिखित सामग्री जो उपलब्ध हुयी,
भूतकाल को तीन भागों में बाँटा जाता।
जिस काल की जानकारी उपलब्ध नहीं,
वह 'पूर्व ऐतिहासिक काल' कहलाता।।

बीते हुये समय की जानकारी,
उस समय के लोगों को जानना।
अतीत से प्राप्त साक्ष्यों से समझकर,
अपने इतिहास को समझना।।

रचना:-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8) तेहरा
क्षेत्र व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद
दिनांक 13-08-2025
काव्यांजलि 2596
दिन बुधवार
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, विषय- दीक्षा, पाठ- 7

बाल लीला

सूरदास

दाऊ मोहिं बहुत चिढ़ाता मैया,
कहत मोल लियो माता।
मातु यशोदा से नहीं जन्मो,
कहत क्रोध उर आता।।

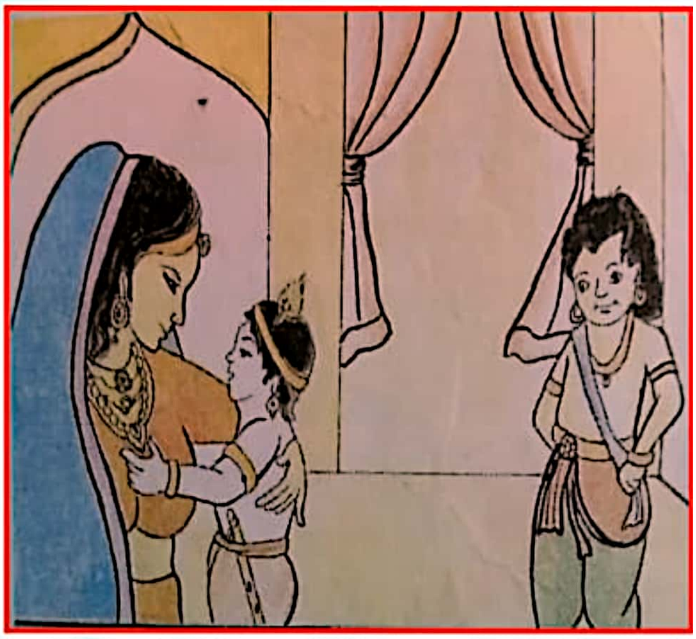

कैसे कहूँ, क्या मैं बोलूँ?
नहीं खेलन को जाऊँ।
बार-बार पूछत को माता?
नहीं उत्तर दे पाऊँ।।

कहता गोरे नन्द-यशोदा,
तू कैसे है श्याम?
हँसते सब मुस्काते दे-दे,
चुटकी, नचावत राम।।

तू भी मुझे मारने लगती,
क्रोध करे नहीं दाऊ पर।
रीझ रही सुन मोहन बातें,
प्रीति जगी है माँ के उर।।

रचना:-

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद-

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2597
दिनांक 14 अगस्त 2025
दिन गुरुवार
आपका दिन शुभ हो।
कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 10

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन (मारुस्थलीय वनस्पति)

आइए जानें कैसी होती है,
रेगिस्तान की सब वनस्पति।
कहते हैं जिसे हम मरुस्थल,
रेतीली होती है सारी भूमि।।

शुष्क जलवायु कम वर्षा होती,
वनस्पति विकास अनुकूल नहीं है।
पानी की कमी के कारण ही,
वनस्पति क्षेत्र विकसित नहीं है।।

वनस्पति जड़ें लम्बी होती हैं,
भूमि में गहराई तक वो जाती।
गहराई तक जाकर ही वो,
जीने के लिये नमी प्राप्त कर पाती।।

पत्तियाँ होती छोटी, चिकनी, मोटी,
छोटे-छोटे इन पर काँटे होते।
तनों पर होती है मोटी छाल,
जो जल वाष्पन कम करते।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

बेसिक शिक्षा का मान बढ़ा

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 16 अगस्त 2025

काव्यांजलि 2599

दिन शनिवार

पाठ- 17

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -05 विषय- भूगोल (प्रकृति)

ग्लोब

पृथ्वी का मॉडल या नमूना,
ग्लोब कहलाता है।
यह पृथ्वी की त्रिआयामी,
आकृति को दर्शाता है।।

इस पर बनी आकृतियाँ महाद्वीपों,
और महासागरों को दिखाती हैं।
पृथ्वी के बाहरी स्वरूप का,
हमें पहचान कर आती है।।

नीले रंग का विशाल भाग,
महासागरों को दिखाता है।
पृथ्वी पर है सात महाद्वीप और,
पाँच महा सागर हमें समझाता है।।

पृथ्वी के 71 प्रतिशत भाग पर,
जलीय भाग पाया जाता है।
29 प्रतिशत भाग है स्थलीय भाग,
ग्लोब हमें समझाता है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना:-

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 2600

दिनांक 18 अगस्त 2025

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- गणित, इकाई- 16,

घन, घनाभ के अंग, आयलर सूत्र

क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)

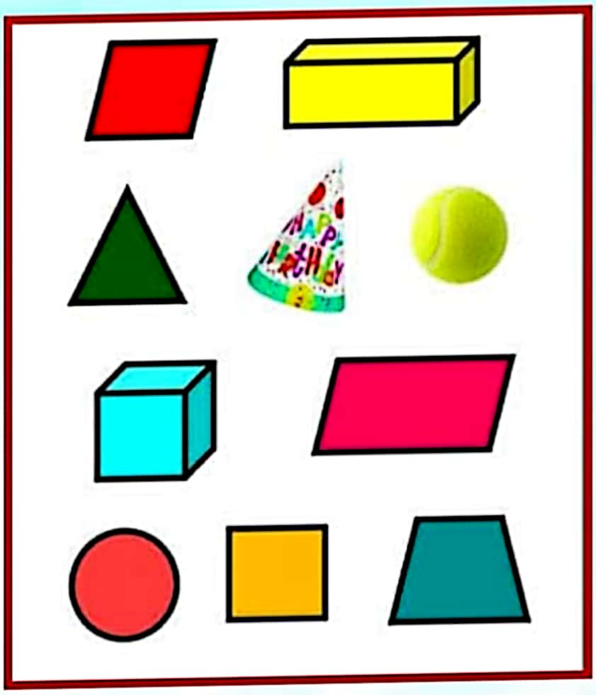

आकृति घन, घनाभ दोनों के,
सभी फलक समतल होते हैं।
फलकों (F) की संख्या छः,
घन, घनाभ दोनों में होते हैं।।

शीर्षों (V) की संख्या देखो,
आठ होते घन, घनाभ में।
और कोरों (E) की संख्या,
बारह होती है घन, घनाभ में।।

आठ शीर्षों, छः फलकों का,
योग, जोड़ो तो चौदह होता है।
कोरों की संख्या बारह से,
यह योग दो अधिक होता है।।

V+F= E+2 ये निष्कर्ष,
इस प्रकार हम निकालते हैं।
इसे ही आयलर का सूत्र,
इस नाम से सब पुकारते हैं।।

रचना:-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

CamScanner

शिक्षा का उत्थान — मिशन शिक्षण संवाद — शिक्षक का सम्मान

दिनांक 19/08/2025

काव्यांजलि 2601

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- विज्ञान

पाठ-4 (पास पड़ोस में होने वाले परिवर्तन)

मन्द एवं तीव्र परिवर्तन

परिवर्तन पूरा होने में,
अधिक समय जब लगता है।
धीमी गति से होता है जो,
मन्द परिवर्तन कहलाता है।।

चित्र 4.1 - मंद तथा तीव्र परिवर्तन

पौधे का हो जैसे अंकुरण,
जैसे दूध से दही का बनना।
छोटा शिशु वयस्क में बदले,
या हो फसलों का फिर पकना।।

परिवर्तन पूरा होने में,
कम समय जब लगता है।
तीव्र गति से होता है जो,
तीव्र परिवर्तन कहलाता है।।

जैसे जल में घोलें नील को,
नींबू से हो दूध का फटना।
गुब्बारा फूटे अचानक,
जैसे हो माचिस का जलना।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना:-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

CamScanner

दिनांक
20-08-2025

काव्यांजलि
2602

दिन
बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- अक्षरा, पाठ- 19

इसे जगाओ

जीवन लक्ष्य प्राप्त करना

हे भाई सूरज! आकर के,
जरा जगाओ इस नर को।
भाई पवन! तुम भी आकर के,
जरा हिलाओ मानव को।।

सोया पड़ा, बेखबर खुद से,
सपनों में खोया है यह।
भाई पंछी! जरा कान पर,
चिल्लाओ, खोया है यह।।

अभी वक्त है, इसे जगाओ,
जागे बेवक्त लाभ क्या है?
निकल गए जो आगे उनको,
पाने को घबराये, क्या है।।

घबरा के अलग भागना है क्या,
त्वरित अलग गति, त्वरित वही।
सही समय में सजग होय जो,
वही बढ़े आगे, ये सही।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद-

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
CamScanner

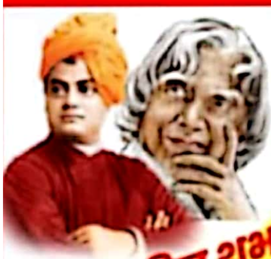

दिनांक 21.08.2025

काव्यांजलि
2603

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 01, विषय- हिन्दी पाठ- 06

तीन साथी

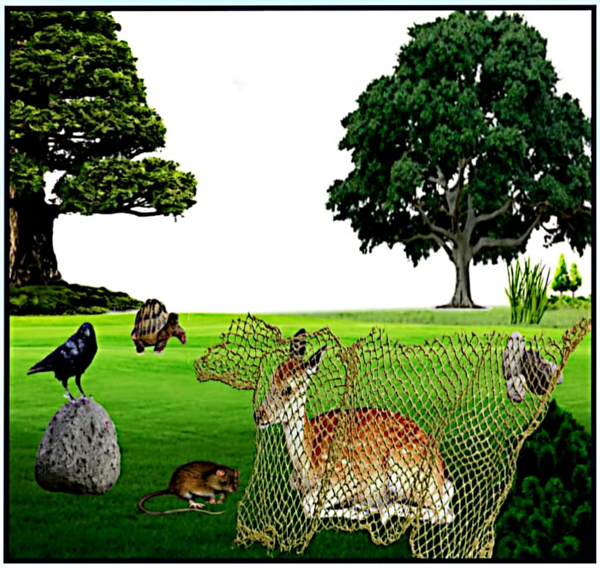

हिरन, कौआ और चूहा,
मिलकर रहते साथी तीन।
एक दिन शिकारी आया,
हाथ में लिये जाल और तीर।।

हिरन फँसा जाल के अन्दर,
कौआ ने जब यह देखा।
काँव-काँव करके चिल्लाया,
चूहे को आवाज लगाया।।

कौआ की आवाज सुनकर,
चूहा फौरन दौड़ कर आया।
अपने दाँत से जाल को काटा,
हिरन को वहाँ से भगाया।।

तभी दिखा शिकारी कौवे को,
वह फिर जोर से चिल्लाया।
सब भागे दौड़ लगाकर,
मित्र, मित्र के काम आया।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

CS CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

2604

दिनांक 22-08-2025

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-4 विषय- हमारा परिवेश पाठ-लतिका की डायरी

आओ लतिका की डायरी से,
लखनऊ का भ्रमण करें हम।
जहाँ लगता कुम्भ का मेला,
पहुँच गये हम पावन संगम।।

अल्फ्रेड पार्क घूमघामकर,
देखने लगे आनन्द भवन।
छोटा, बड़ा इमामबाड़ा संग,
देख लो विधानसभा भवन।।

फिर जा पहुँचे घूमकर,
लखनऊ के महोत्सव।
जहाँ लगाये थे स्टॉल,
प्रदेश के प्रसिद्ध जनपद।।

कोई मथुरा से लेता बाँसुरी,
कोई आगरा का पेठा।
इस तरह से उत्तर प्रदेश के,
दर्शन सहज कर लेता।।

रचना- ज्योति सागर' सना (स०अ०)
पी एम श्री उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 2605

दिनांक 23/08/2025

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-8 , विषय- विज्ञान, पाठ-9

दिव्यांगता

कोई विकलांग कहता है,
कोई दिव्यांग कहता है।
मगर भावों की भाषा को,
यहाँ कोई न समझता है।।

नहीं दिव्यांग हमको,
और नहीं विकलांग समझो तुम।
नया इतिहास रचते हैं,
नहीं हैं हम किसी से कम।।

हमारे पास गर जो पाँव,
नहीं तो क्या हुआ लोगों।
खड़े हैं अपने पैरों पर,
हर इक तूफाँ से लड़ते हैं।।

हमारी लेखनी में धार,
इतनी जब ये चलती है।
ना जाने कितनी गाथाओं को,
ये शब्दों में कहती है।।

रचना:-

डॉ० शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मुर्धवा (1-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

CamScanner

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।
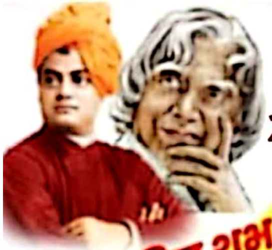
दिनांक 25.08.2025
काव्यांजलि
2606
दिन सोमवार
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 02, विषय- हिन्दी, पाठ- 01

नीमा की दादी

जब नीमा स्कूल से आती,
घर में सिर्फ दादी को पाती।
दादी घर में सब्जी काटे,
दादी कहीं न आती जाती।।

नीमा स्कूल की बात बताती,
दादी को वह खूब हँसाती।
नीमा बोले मुझे है खेलना,
दादी तुमको साथ में दौड़ना।।

दादी बोली करो आराम,
खेलने को पड़ी है शाम।
नीमा बोली समय न कटता,
मुझे खेलना अच्छा लगता।।

नीमा दौड़ कर चप्पल लायी,
दादी को चप्पल पहनायी।
दोनों चले मैदान की ओर,
खेलने में नहीं होते बोर।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

CamScanner

दिनांक 26 अगस्त 2025

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय- इतिहास

पाठ- 03 (हमारा इतिहास और नागरिक जीवन)

अंग्रेज-अफगान युद्ध

अठारह सौ बाईस और,
अठारह सौ बयालीस में।
अंग्रेजों का युद्ध हुआ,
धरती पर अफगानों के।।

अंग्रेजों को भय था रूसी,
आक्रमण ना हो जाए।
क्योंकि रूस एशिया में,
अपना प्रभाव था बढ़ाए।।

पहली बार में हुए पराजित,
अंग्रेज अफगानों से।
दूसरी बार में उन्होंने रौंदा,
जीते वे अफगानों से।।

विशाल भवनों को नगर के,
तोपों से उड़ा दिया।
अंग्रेजों ने तहस- नहस कर,
काबुल को था लूट लिया।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 27-08-2025

काव्यांजलि 2608

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, विषय- दीक्षा, पाठ- 5

निजभाषा उन्नति

मातृभाषा का विकास

अपनी भाषा की उन्नति में,
सब धर्मों का मूल है।
निज भाषा के ज्ञान बिना,
न मिटे हृदय का शूल है।।

नहीं देर अब भैया कीजे,
उठो, मिटाओ उर का शूल।
अपनी भाषा उन्नत कीजे,
पहले है जो सबका मूल।।

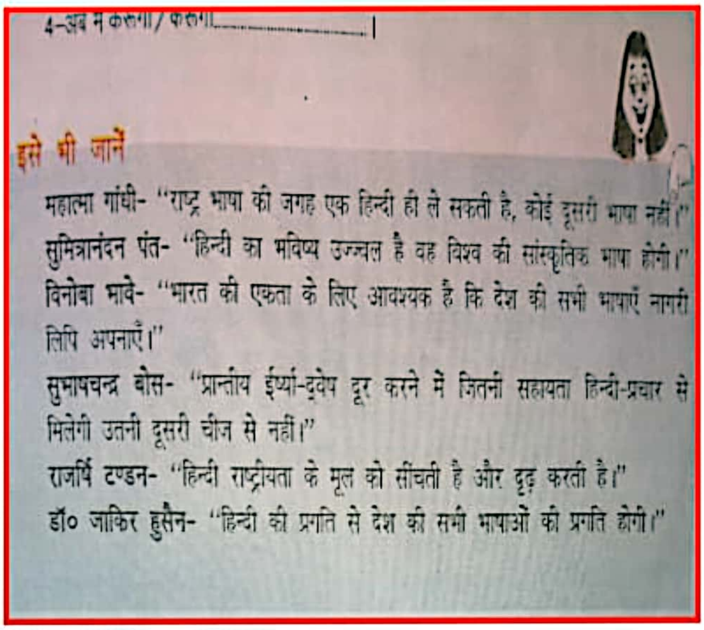

4–अब मैं करूँगा / करूँगी.......................।

इसे भी जानें

महात्मा गांधी- "राष्ट्र भाषा की जगह एक हिन्दी ही ले सकती है, कोई दूसरी भाषा नहीं।"
सुमित्रानंदन पंत- "हिन्दी का भविष्य उज्ज्वल है वह विश्व की सांस्कृतिक भाषा होगी।"
विनोबा भावे- "भारत की एकता के लिए आवश्यक है कि देश की सभी भाषाएँ नागरी लिपि अपनाएँ।"
सुभाषचन्द्र बोस- "प्रान्तीय ईर्ष्या-द्वेष दूर करने में जितनी सहायता हिन्दी-प्रचार से मिलेगी उतनी दूसरी चीज से नहीं।"
राजर्षि टण्डन- "हिन्दी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और दृढ़ करती है।"
डॉ० जाकिर हुसैन- "हिन्दी की प्रगति से देश की सभी भाषाओं की प्रगति होगी।"

करहु प्रचारित, प्रचलित जग में,
निज भाषा हित यत्न करो।
राज-काज, दरवार में इसको,
फैलाओ ये रत्न गहो।।

सुत, तिय, मित्र, सेवकों कहिए,
जब भी समय मिले दिन-रात।
इनके बीच रखो निज भाषा,
कीजे अपने मन की ये बात।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद-

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

2609

दिनांक 28.08.2024

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7 विषय- गृहशिल्प पाठ- 01 भाग- 03

क्वाशियोरकर व मेरेस्मस

शरीर की वृद्धि रूक जाये,
हाथ-पैर दुर्बल हो जाये।
त्वचा रूखी, पेट बाहर निकल जाये,
क्वाशियोरकर है तभी यह पकड़ में आये।।

दालें, मूंगफली और दे सोयाबीन खूब,
अण्डा, मांस और बच्चे को दें दूध।
क्वाशियोरकर से बचाव करेंगे,
प्रोटीन का प्रयोग जब खूब करेंगे।।

मेरेस्मस की है बात निराली,
दुबले तन, त्वचा हो झुर्रियों वाली।
धंसी हुई आँखें, चमकहीन चेहरा,
भूरा हो जाये बालों का रंग-सुनहरा।।

मेरेस्मस दूर भाग जायेगा,
प्रोटीन, कार्बोज जब आ जायेगा।
दूध, आलू, दाल-चावल और शकरकंद,
ये है प्रोटीन कार्बोज की ही पसन्द।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना:-

सुमन मौर्या
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2610
दिनांक 29/08/2025
दिन शुक्रवार
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6 विषय- विज्ञान, पाठ- 4

आस-पास में होने वाले परिवर्तन

पदार्थ के अणु में ना हो परिवर्तन,
कहलाता भौतिक परिवर्तन।
मोम पिघलना, प्रत्यावर्तित होता,
ज्वालामुखी फूटना अनियमित परिवर्तन।।

गिलास जो टूटे तीव्र परिवर्तन,
जो हो इच्छा से नियन्त्रण परिवर्तन।
घड़ी पेंडुलम होता नियमित,
चावल पकाना भौतिक परिवर्तन।।

परिवर्तन के है अनेकों प्रकार,
जीवन को करते साकार।
प्रकृति को करते हैं नियंत्रित,
परिवर्तन हैं नियमित और अनियमित।।

प्रकति दे वो कहाये प्राकृतिक.
करें जिसे हम कहलाये कृत्रिम।
नमक का घुलना भौतिक परिवर्तन,
दूध से दही रासायनिक परिवर्तन।।

रचना:-
भगवती (स०अ०)
स० वि० मन्स्या कला
सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ा
CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

2611

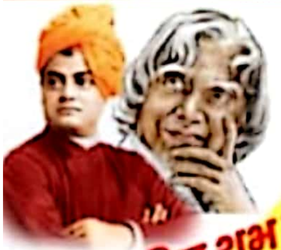

दिनांक 30 अगस्त 2025

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 10

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन (मारुस्थल)

एक ऐसा प्रदेश है जहाँ पर,
वर्षा कम वाष्पीकरण अधिक होता है।
मरुस्थल-रेगिस्तान कहते हैं जिसे,
यह एक शुष्क प्रदेश होता है।।

दो भागों में यह है विभाजित,
एक उष्ण मरुस्थलीय कहलाता।
उच्च-निम्न ताप, विरल है वनस्पति,
दूसरा शीत मरुस्थलीय कहलाता।।

अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया,
उत्तरी अमेरिका तक है विस्तार।
दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में भी,
मरुस्थलों का हुआ है विस्तार।।

सहारा-कालाहरी है मरुस्थल,
अरब, थार, गोबी है मरुस्थल।
नाम इनके सब जान लो,
महान विक्टोरिया भी है मरुस्थल।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।